Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to confer Bharat Ratan Award on Dr. Ram Manohar Lohia, Chaudhary Charan Singh and Karpoori Thakur.

-

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी)ः हर साल पद्म सम्मान से लोगों को सम्मानित किया जाता है। इस बात की समीक्षा की जाए कि इसमें पिछड़े वर्ग और दलित तथा किसान को कितना पद्म सम्मान दिया गया है। गाँव मे रहने वालों की संख्या 68.08 प्रतिशत है। इतनी बड़ी आबादी को पद्म सम्मान से वंचित रखा गया है। भारत रत्न में एक दो लोग ही होंगे। पिछड़े वर्ग को संगंठित करने, उनमें राजनीतिक, सामाजिक और शैक्षणिक चेतना पैदा करने के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया, चौधरी चरण सिंह और कर्पूरी ठाकुर ने जीवनपर्यंत संघर्ष किया। ये किसान गरीब और पिछड़ों के मसीहा थे। उनके हृदय सम्राट थे। ऐसे महापुरूषों को भारत रत्न दिया जाना चाहिए। असली भारत के वे रत्न थे। इन्हें सम्मानित करने से देश के पिछड़े वर्ग और किसान अपने को सम्मानित समझेंगे। इस पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाए और इस वर्ष इन महापुरूषो को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया जाए।